NAME OF THE NEWSPAPER राजस्थान पत्रिका DATE: - 2 SEP 2012

चुनाव आयोग की भूमिका

चुनाव आयोग की अपनी सीमा है। हिमाचल प्रदेश में सर्दियां जल्द शुरू हो जाती हैं, इसलिए वहां विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेजी से हो रही हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त वी.एस. संपत हिमाचल दौर पर तैयारी देखने गए थे। कांग्रेस ने शिकायत कर दी थी कि भाजपा की राज्य सरकार वोटरों को प्रभावित करने के लिए लोकलुभावन योजना पर काम कर रही है। संपत ने जवाब दिया, 'चुनाव आयोग सरकार द्वारा की जा रही घोषणाओं पर नजर रखे हुए है। चुनाव संहिता के लागू होने से पहले भी चुनाव आयोग सरकार और सरकारी अधिकारियों के क्रियाकलाप पर नजर रखता है। हालांकि उन्होंने अपनी बात में यह भी जोड़ा, 'कार्रवाई तभी की जा सकती है, जब चुनावी आचार संहिता लागू हो।'

वैसे यह सच बात है कि चुनाव आयोग सरकारों या राजनीतिक

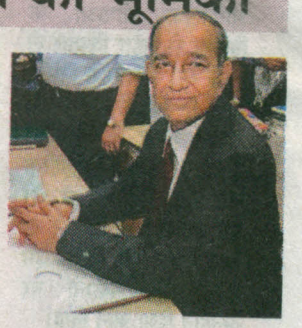

पार्टियों से ज्यादा झगड़े मोल लेना नहीं चाहता है। उसकी कोशिश यही होती है कि किसी भी तरह से चुनाव हो जाएं और मतदान का प्रतिशत अच्छा-खासा रहे।

क्या होना चाहिए?

योजना का लाभ सिर्फ जरूरतमंद लोगों तक पहुंचना चाहिए।

सभी सरकारी योजनाओं का मूलभूत खाका तय होना चाहिए कि क्या बंटे और कैसे बंटे?

चुनाव के समय जो अनैतिकता वोट के लिए होती है, उसे रोकने के लिए चुनाव आयोग को ज्यादा अधिकार देने की जरूरत है।